

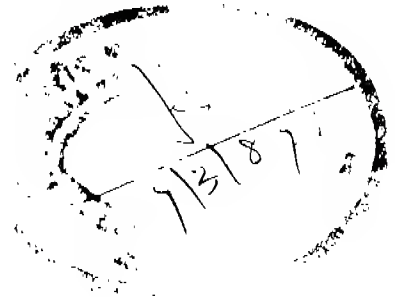


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 544]
No. 544]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 29, 1986/पौष 8, 1908
NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 29, 1986/PAUSA 8, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

विधि और म्याप संचालन

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1986

प्रधिसूचना

का.भा. 981(घ)—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 169 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, निर्वाचन आयोग से परामर्श करने के पश्चात्, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निर्वाचनों का संचालन (दूसरा संशोधन) नियम, 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 में,—

(1) प्रारूप 2क में, “(घ) मेरा नाम और मेरे पिता/पति का नाम ऊपर.....(भाषा का नाम) में सही रूप में लिखा गया है;” शब्द, कोष्ठक और अक्षर के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(क) अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, मैं लोक सभा के स्थान को भरने के लिए चुने जाने के लिए ग्रहित हूँ और साथ ही निरहित नहीं हूँ।”;

(2) प्रारूप 2ख में, “(ब) मेरा नाम और मेरे पिता/पति का नाम ऊपर.....(भाषा का नाम) में सही रूप में लिखा गया है;” शब्द, कोष्ठक और अक्षर के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(क) अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, मैं.....को विधान सभा के स्थान को भरने के लिए चुने जाने के लिए ग्रहित हूँ और साथ ही निरहित नहीं हूँ।”

(3) प्रारूप 2ग में, “(ग) मेरा नाम और मेरे पिता/पति का नाम ऊपर.....(भाषा का नाम) में सही रूप में लिखा गया है;” शब्द, कोष्ठक और अक्षर के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(घ) अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, मैं राज्य सभा के स्थान को भरने के लिए चुने जाने के लिए ग्रहित हूँ और साथ ही निरहित नहीं हूँ।”

(4) प्ररूप 2४ में, "(ग) मेरा नाम और मेरे पिता/पति का नाम ऊपर.....(भाषा का नाम) में सही रूप में लिखा गया है;" शब्द, कोष्ठक और अक्षर के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"(घ) अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, मैं विधान सभा के सदस्यों द्वारा.....(राज्य) की विधान परिषद् के स्थान को भरने के लिए चुने जाने के लिए ग्रहित हूँ और साथ ही निरहित नहीं हूँ।"

(5) प्ररूप 2४ में, "(ग) मेरा नाम और मेरे पिता/पति का नाम ऊपर.....(भाषा का नाम) में सही रूप में लिखा गया है;" शब्द, कोष्ठक और अक्षर के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"(घ) अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, मैं.....परिषद् निर्वाचन-क्षेत्र से.....(राज्य) की विधान परिषद् के स्थान को भरने के लिए चुने जाने के लिए ग्रहित हूँ और साथ ही निरहित नहीं हूँ।";

(6) प्ररूप 3६ में, सारणी में, स्तम्भ 4 के पश्चात्:—

(i) निम्नलिखित शीर्षक और स्तम्भ संख्यांक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
"पार्टी सहबद्धता
6"; और

(ii) विद्यमान स्तम्भ "6", "7", "8" और "9" को स्तम्भ "7", "8", "9" और "10" के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा ;

(7) प्ररूप 3६ में, सारणी में, स्तम्भ 5 के पश्चात्:—

(i) निम्नलिखित शीर्षक और स्तम्भ संख्यांक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
"पार्टी सहबद्धता
6"; और

(ii) विद्यमान स्तम्भ "6", "7" और "8" को स्तम्भ "7", "8" और "9" के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा ;

(8) प्ररूप 3६ में, सारणी में, स्तम्भ 5 के पश्चात्:—

(i) निम्नलिखित शीर्षक और स्तम्भ संख्यांक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
"पार्टी सहबद्धता
6"; और

(ii) विद्यमान स्तम्भ "6", "7" और "8" को स्तम्भ "7", "8" और "9" के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा ;

(9) प्ररूप 4 में, सारणी में, अंत में, निम्नलिखित शीर्षक और स्तम्भ संख्यांक जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

"पार्टी सहबद्धता
5";

(10) प्ररूप 13६ के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात्:—

"प्ररूप 13६

निर्वाचकों के मार्गदर्शन के लिए अनुदेश

[नियम 23(1)(घ) देखिए]

(लोक सभा या राज्य की विधान सभा के लिए निर्वाचन में उपयोग में लाया जाए)

.....के लिए निर्वाचन

इसके साथ भेजे गए मतपत्र पर जिन व्यक्तियों के नाम मुद्रित हैं वे उपरिर्णित निर्वाचन में अभ्यर्थी हैं। आप जिस अभ्यर्थी को अपना

मत देना चाहते हैं उसके नाम के सामने स्पष्ट रूप से चिह्न लगाकर अपना मत अभिलिखित करें। चिह्न इस प्रकार लगाएं जिससे स्पष्टतः और किसी शंका के बिना यह उपरिर्णित हो जाए कि किस अभ्यर्थी को आपने अपना मत दिया है। यदि चिह्न इस प्रकार लगाया गया है जिससे यह शंका हो गई है कि किस अभ्यर्थी को आपने अपना मत दिया है तो आपका मत अविधिमार्ग्य हो जाएगा।

निर्वाचित किए जाने वाले सदस्यों की संख्या एक है। कृपया यह भी याद रखें कि आपका केवल एक मत है। तबनुसार आपकी एक से अधिक अभ्यर्थी के लिए मत नहीं देना चाहिए। यदि आप ऐसा करेंगे तो आपका मतपत्र प्रतिक्षेपित कर दिया जाएगा।

उस चिह्न के सिवाय, जिसे मतपत्र पर आपसे अपना मत अभिलिखित करने की अपेक्षा की गई है, उस पर आप न तो हस्ताक्षर करें, न कोई शब्द लिखें न कोई चिह्न या संकेत लगाएं और न कोई बात लिखें।

मतपत्र पर अपना मत अभिलिखित करने के पश्चात् मतपत्र को आप इसके साथ भेजे गए "क" चिह्नित छोटे लिफाफे में रखें। लिफाफे को बंद कर दें और उसे मूढ़ा लगाकर या अन्यथा सुनिश्चित रूप से बंद कर दें।

(1) तब आप प्ररूप 13६ में की घोषणा भी, जो इसके साथ भेजी जा रही है, किसी सांख्यिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में हस्ताक्षरित करें और अपने हस्ताक्षर का अनुप्रमाणन ऐसे सांख्यिक मजिस्ट्रेट से कराएं।

(2) यदि आप संघ के सशस्त्र बलों के सदस्य हैं या राज्य के सशस्त्र पुलिस बल के सदस्य हैं किन्तु उम राज्य के बाहर सेवा कर रहे हैं तो अनुप्रमाणन उस आफिसर से कराएं जिसे उस यूनिट, पोत या स्थापन का कमान आफिसर इस निमित्त नियुक्त करे, जिसमें, यथास्थिति, आप या आपका पति नियोजित है।

(3) यदि आप भारत सरकार के अधीन भारत के बाहर किसी पद पर नियोजित हैं तो ऐसे आफिसर से कराएं जिसे उस देश में जिसमें आप निवासी हैं, भारत का राजनयिक या कौमलीय प्रतिनिधि इस निमित्त नियुक्त करें।

(4) यदि आप निम्नलिखित कोई पद धारण करते हैं, अर्थात्:—

(i) राष्ट्रपति, (ii) उपराष्ट्रपति, (iii) राज्यों के राज्यपाल, (iv) संघ या किसी राज्य के मंत्रिमंडल के मंत्री, (v) योजना आयोग के उपाध्यक्ष और सदस्य, (vi) संघ या किसी राज्य के राज्य मंत्री, (vii) संघ या किसी राज्य के उपमंत्री, (viii) लोक सभा या किसी राज्य की विधान सभा के अध्यक्ष, (ix) किसी राज्य विधान परिषद् का सभापति, (x) संघ राज्यक्षेत्र के उपराज्यपाल, (xi) लोक सभा या किसी राज्य की विधान सभा का उपाध्यक्ष, (xii) राज्य सभा या किसी राज्य विधान परिषद् का उप सभापति, (xiii) संघ या किसी राज्य के संसदीय सचिव, तो अनुप्रमाणन ऐसे आफिसर से कराएं जो, यथास्थिति, संघ या राज्य की सरकार के उप सचिव की पंक्ति से नीचे की पंक्ति का नहीं है।

(5) यदि आप निर्वाचन—कर्तव्यारूढ़ हैं तो अनुप्रमाणन किसी राजपत्रित आफिसर से या उस मतदान केंद्र के मोडलोन आफिसर से कराएं, जिसमें आप निर्वाचन-कर्तव्यारूढ़ हैं।

(6) यदि आप निवारक निरोध के अधीन हैं तो अनुप्रमाणन उस जिले के अधीक्षक से या उस निरोध शिबिर के समन्वयक से कराएं जिसमें आप निरोधाधीन हैं।

उपरोक्त सभी मामलों में आप घोषणा की प्राधिकृत आफिसर के पास ले जाएं और आपकी श्रम्यता के बारे में जब उसका समाधान हो जाए तब उसकी उपस्थिति में उसे हस्ताक्षरित करें। आफिसर आपके हस्ताक्षर को

अनुप्रमाणित करेगा और घोषणा आपकी लौटा देगा। आपको अपना मतपत्र अनुप्रमाणनकर्ता आफिसर को नहीं दिखाना चाहिए और न उसे यह बताना चाहिए कि आपने किसके पक्ष में मत दिया है।

यदि आप निरक्षरता, अश्वेपन या अन्य अंग शैथिल्य के कारण उस रीति से, जो ऊपर उपरिष्ठित है, स्वयं मतपत्र चिह्नित करने और घोषणा हस्ताक्षरित करने में असमर्थ हैं तो आप उपरिलिखित किसी प्राधिकृत आफिसर द्वारा अपनी ओर से अपना मत चिह्नित कराने और अपनी घोषणा हस्ताक्षरित कराने के लिए हकदार हैं। ऐसा आफिसर आपकी प्रार्थना पर आपकी उपस्थिति में और आपकी इच्छा के अनुसार मतपत्र चिह्नित करेगा। वह इस निमित्त आवश्यक प्रमाणपत्र भी भर कर पूरा कर देगा।

आपकी घोषणा प्रमाणित किए जाने और आपके हस्ताक्षर अनुप्रमाणित किए जाने के पश्चात् आप प्ररूप 13क वाली घोषणा और साथ ही मतपत्र अन्तर्बिष्ट करने वाला "क" चिह्नित छोटा लिफाफा, "ख" चिह्नित बड़े लिफाफे में रखें। बड़े लिफाफे को बंद करने के पश्चात् आप उसे रिटनिंग आफिसर को डाक द्वारा या संदेशवाहक द्वारा भेज दें आपको "ख" चिह्नित लिफाफे में उपरिष्ठित स्थान पर पूरे हस्ताक्षर करने हैं। यदि लिफाफा भारत में डाक से भेजा जाता है तो कोई भी डाक टिकट आपके द्वारा लगाया जाना आवश्यक नहीं है। किन्तु यदि आप ऐसे निर्वाचक हैं जो भारत के बाहर किसी पद पर भारत सरकार के अधीन नियोजित हैं तो उन देशों को छोड़कर, जिसमें यह लिफाफा राजनयिक डाक-पैले में भेजा जाता है, आपको चाहिए कि जिस कार्यालय में आप सेवा कर रहे हैं उसके द्वारा उस पर भेषित डाक टिकट लगवाने के बाद उसे हवाई डाक से सीधे सम्बद्ध रिटनिंग आफिसर को लौटा दें।

आप यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि लिफाफा रिटनिंग आफिसर के पास*को* बजे से पूर्व पहुंच जाए।

कृपया यह भी ध्यान रखें कि—

- (i) यदि आप अपनी घोषणा ऊपर उपरिष्ठित रीति से अनुप्रमाणित या प्रमाणित कराने में असफल रहते हैं तो आपका मतपत्र प्रतिलेखित कर दिया जाएगा, तथा
- (ii) यदि लिफाफा रिटनिंग आफिसर के पास*को* बजे के पश्चात् पहुंचेगा तो आपके मत की गणना नहीं की जाएगी।

* (यहां मतगणना के प्रारम्भ के लिए नियत समय और नियत तारीख विनिर्दिष्ट की जाएगी)।

प्ररूप 13घ

निर्वाचकों के मार्गदर्शन के लिए अनुदेश

[नियम 23 (1) (घ) देखिए]

(राज्य सभा के लिए या राज्य की विधान परिषद् के लिए निर्वाचन में उपयोग में लाया जाए)

राज्य सभा/..... विधान परिषद् के लिए निर्वाचन।

इसके साथ भेजे गए मतपत्र पर जिन व्यक्तियों के नाम उल्लिखित हैं वे उपरिष्ठित निर्वाचन में अभ्यर्थी हैं। आप जिस अभ्यर्थी को मत देना चाहते हैं उसके नाम के सामने वाले स्थान में अंक 1 लगाकर अपना मत अभिलिखित करें * (यद्यपि एक से अधिक समस्या निर्वाचित किए जाने हैं) अंक 1 केवल एक अभ्यर्थी के नाम के सामने लगाएं। अन्य अभ्यर्थियों के लिए अपने क्रमिक अधिमान का उपरिष्ठित आप उनके नाम के सामने वाले स्थान में ऐसे अधिमान के क्रमानुसार अंक 2, 3, 4 आदि लगाकर कर सकते हैं। किसी अभ्यर्थी के नाम के सामने एक से अधिक अंक न लगाएं और एक से अधिक अभ्यर्थियों के नाम के सामने वही अंक न लगाएं।

* जब केवल एक सदस्य निर्वाचित होगा है तब इसे काट दें।

निर्वाचित किए जाने वाले सदस्यों की संख्या.....

मतपत्र पर अपना मत अभिलिखित करने के पश्चात् मतपत्र को इसके साथ भेजे गए "क" चिह्नित छोटे लिफाफे में रखें। लिफाफे को बन्द कर दें और उसे मुद्रा लगाकर या अन्यथा मजबूत से बन्द कर दें।

अब आपका प्ररूप 13क में की घोषणा भी, जो इसके साथ भेजी जा रही है, ऐसे आफिसर की उपस्थिति में जो आपके हस्ताक्षर अनुप्रमाणित करने के लिए सक्षम है, हस्ताक्षरित करने है। यदि आप निवारक निरोध के अधीन हैं तो आप प्ररूप 13क में क, घोषणा पर अपने हस्ताक्षर का अनुप्रमाणन उस जेल के अधीक्षक से या उस निरोध शिबिर के समावेशक से कराएं जिसमें आप निरोधधीन हैं। यदि आप निवारक निरोध के अधीन नहीं हैं तो अनुप्रमाणन ऐसे सार्वजनिक मजिस्ट्रेट से कराएं जो आपकी स्वयं जानता है या जिसको समाधान करने वाले रूप में आपकी पहचान करा दी गई है या परिषद निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचन की दशा में निम्नलिखित कांटियों के आफिसरों में से किसी से कराएं जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस निमित्त अधिसूचित किए गए हैं, अर्थात् —

घोषणा को किसी ऐसे आफिसर के पास ले जाएँ और आपको अनन्यता के बारे में जब उसने अपना समाधान कर लिया हो तब, उसको उपस्थिति में उसे हस्ताक्षरित कीजिए। आफिसर आपके हस्ताक्षर को अनुप्रमाणित करेगा और घोषणा आपकी लौटा देगा। आपको अपना मतपत्र अनुप्रमाणनकर्ता आफिसर को नहीं दिखाना चाहिए और न उसे यह बताना चाहिए कि आपने किस के पक्ष में मत दिया है।

यदि आप निरक्षरता, अश्वेपन या अन्य अंग शैथिल्य के कारण उस रीति से, जो ऊपर उपरिष्ठित है, स्वयं मतपत्र चिह्नित करने और घोषणा हस्ताक्षरित करने में असमर्थ हैं तो आप किस ऐसे आफिसर द्वारा जो आपके हस्ताक्षर अनुप्रमाणित करने के लिए सक्षम है, अपनी ओर से अपना मत चिह्नित कराने और अपनी घोषणा हस्ताक्षरित कराने के लिए हकदार हैं। ऐसा आफिसर आपकी प्रार्थना पर आपकी उपस्थिति में और आपकी इच्छा के अनुसार मतपत्र चिह्नित करेगा। वह इस निमित्त आवश्यक प्रमाणपत्र भी भर कर पूरा कर देगा।

आपकी घोषणा हस्ताक्षरित किए जाने और आपके हस्ताक्षर अनुप्रमाणित किए जाने के पश्चात् आप प्ररूप 13क वाली घोषणा और साथ ही मतपत्र अन्तर्बिष्ट करने वाला "क" चिह्नित छोटा लिफाफा "ख" चिह्नित बड़े लिफाफे में रखें। बड़े लिफाफे को बंद करने के पश्चात् आप उसे रिटनिंग आफिसर को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या संदेशवाहक द्वारा भेज दें।

आप यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि लिफाफा रिटनिंग आफिसर के पास*को* बजे अपराह्न से पूर्व पहुंच जाए।

कृपया यह भी ध्यान रखें कि—

(i) यदि आप अपना घोषणा ऊपर उपरिष्ठित रीति से अनुप्रमाणित या प्रमाणित कराने में असफल रहते हैं तो आपका मतपत्र प्रतिलेखित कर दिया जाएगा, तथा

(ii) यदि लिफाफा रिटनिंग आफिसर के पास*को* बजे अपराह्न के पश्चात् पहुंचेगा तो आपके मत की गणना नहीं की जाएगी।

कोई मतपत्र, जिस पर अंक 1 चिह्नित किया गया है या जिस पर अंक 1 एक से अधिक अभ्यर्थियों के नाम के सामने लगाया गया है, या

ऐसे लगाया गया है जिससे शंका हो जाती है कि वह किस अभ्यर्थी के लिए आशयित है, या जिन पर अंक 1 और कोई अन्य अंक उसी अभ्यर्थी के नाम के सामने लगाए गए हैं, या जिस पर वही अंक एक से अधिक अभ्यर्थियों के नाम के सामने लगाया गया है या जिस पर निर्वाचक के हस्ताक्षर सम्यक् रूप से अनप्राप्त नहीं हैं, या जिसका संख्यांक उभ लिफाफे में, जिनमें वह रखा गया है, प्रविष्ट मतपत्र के संख्यांक से मेल नहीं खाता है, प्रतिलेखित कर दिया जाएगा।”;

(ii) प्ररूप 22 में “श्री” शब्द के स्थान पर “श्री/श्रीमती जो (मान्यता प्राप्त/रजिस्ट्रीकृत राजनैतिक पार्टी का नाम) द्वारा खड़े किए गए/की गई हैं” शब्द और कोष्ठक रखे जाएंगे।

(12) प्ररूप 23 में, “(पता)” कोष्ठक और शब्द के पश्चात् दोनों स्थानों पर जहाँ वे आते हैं, निम्नलिखित शब्द और कोष्ठक अन्तः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् “जो (मान्यताप्राप्त/रजिस्ट्रीकृत राजनैतिक पार्टी का नाम) द्वारा खड़े किए गए/की गई हैं”।

* यहाँ मतगणना के प्रारम्भ के लिए नियत समय और तारीख विनिर्दिष्ट की जाए।

(13) प्ररूप 24 में, “श्री” शब्द के स्थान पर “श्री/श्रीमती जो (मान्यता प्राप्त/रजिस्ट्रीकृत राजनैतिक पार्टी का नाम) द्वारा खड़े किए गए/की गई हैं।” शब्द और कोष्ठक रखे जाएंगे।

[फा. 7(1)/84-वि. II]

के. सुब्रह्मण्यन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

New Delhi, the 29th December, 1986

NOTIFICATION

S.O. 961(E).—In exercise of the powers conferred by section 169 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Central Government, after consulting the Election Commission, hereby makes the following rules further to amend the Conduct of Election Rules, 1961, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Conduct of Elections Rules, 1961,—

(1) in Form 2A, after the words, brackets and letter “(c) that my name and my father’s/husband’s name have been correctly spelt out above in..... (name of the language)” the following shall be inserted, namely:—

“(c) that to the best of my knowledge and belief, I am qualified and not also disqualified for being chosen to fill the seat in the House of the People”.

(2) in Form 2B, after the words, bracket and letter “(d) that my name and my father’s/husband’s name have been correctly spelt out above in..... (name of the language)”, the following shall be inserted, namely:—

“(e) that to the best of my knowledge and belief, I am qualified and not also disqualified for being chosen to fill the seat in the Legislative Assembly of.....”;

(3) in Form 2C, after the words, brackets and letter “(c) that my name and my father’s/husband’s name have been correctly spelt out above in..... (name of the language)”; the following shall be inserted, namely:—

“(d) that to the best of my knowledge and belief, I am qualified and not also disqualified for being chosen to fill the seat in the Council of States.”;

(4) in Form 2D, after the words, brackets and letter “(c) that my name and my father’s/husband’s name have been correctly spelt out above in..... (name of the language)” the following shall be inserted, namely:—

“(d) that to the best of my knowledge and belief, I am qualified and not also disqualified for being chosen to fill the seat in the Legislative Council of..... (State) by the members of the Legislative Assembly.”;

(5) in Form 2E, after the words, brackets and letter “(c) that my name and my father’s/husband’s name have been correctly spelt out above in..... (name of the language)” the following shall be inserted, namely:—

“(d) that to the best of my knowledge and belief, I am qualified and not also disqualified for being chosen to fill the seat in the Legislative Council of..... (State) from..... Council Constituency.”;

(6) in Form 3A, in the Table, after column 5,—

(i) the following heading and column number shall be inserted, namely:—

“Party affiliation
6”; and

(ii) existing columns ‘6’, ‘7’, ‘8’ and ‘9’ shall be re-numbered as columns ‘7’, ‘8’, ‘9’ and ‘10’;

(7) in Form 3B, in the Table, after column 5,—

(i) the following heading and column number shall be inserted, namely:—

“Party affiliation
6”; and

(ii) existing columns ‘6’, ‘7’ and ‘8’, shall be re-numbered as columns ‘7’, ‘8’ and ‘9’;

(8) in Form 3C, in the Table, after column 5,

(i) the following heading and column number shall be inserted, namely:—

“Party affiliation
6”; and

(ii) the existing columns ‘6’, ‘7’ and ‘8’ shall be re-numbered as columns ‘7’, ‘8’ and ‘9’;

(9) in Form 4, in the Table, the following heading and column number shall be added at the end, namely:—

“Party affiliation
5.”;

(10) for Forms 13D, the following Forms shall be substituted, namely:—

“FORM 13D

INSTRUCTIONS FOR GUIDANCE OF ELECTORS

[See rule 23(1)(d)]

(To be used at an election to the House of the People or to the Legislative Assembly of a State)

Election to the*..... from the.....

The persons whose names are printed on the ballot paper sent herewith are candidates at the above election. Record your vote by placing clearly a mark opposite the name of

*Appropriate particulars of the election to be inserted here.

the candidate to whom you wish to give your vote. The mark should be so placed as to indicate clearly and beyond doubt to which candidate you are giving your vote. If the mark is so placed as to make it doubtful to which candidate you have given your vote, your vote will be invalid.

The number of members to be elected is one. Please remember that you have only one vote. Accordingly you should not vote for more than one candidate. If you do so, your ballot paper will be rejected.

Do not put your signature or write any word or mark any mark, sign or writing whatsoever on the ballot paper other than the mark required to record your vote.

After you have recorded your vote on the ballot paper, place the ballot paper in the smaller cover marked 'A' sent herewith. Close the cover and secure it by seal or otherwise.

(1) You may then sign the declaration in Form 13A also sent herewith in the presence of a stipendiary magistrate and obtain the attestation of your signature by such stipendiary magistrate.

(2) If you are a member of the armed forces of the Union or of an armed police force of a State but is serving outside that State, the attestation may be obtained by such officer as may be appointed in this behalf by the Commanding Officer of the Unit, ship or establishment in which you or your husband, as the case may be, are employed.

(3) If you are employed under the Government of India in a post outside India the attestation may be obtained by such officer as may be appointed in this behalf by the diplomatic or consular representative of India in the country in which you are resident.

(4) If you hold an office like the office of the (i) President (ii) Vice-President, (iii) Governors of States, (iv) Cabinet Ministers of the Union or of any State, (v) The Deputy Chairman and Members of the Planning Commission, (vi) The Ministers of State of the Union or of any State, (vii) Deputy Ministers of the Union or of any State, (viii) The Speaker of the House of the People or of any State Legislative Assembly, (ix) The Chairman of any State Legislative Council (x) Lieutenant Governors of Union Territories, (xi) The Deputy Speaker of the House of the People or of any State Legislative Assembly, (xii) The Deputy Chairman of the Council of States or of any State Legislative Council, (xiii) Parliamentary Secretaries of the Union or of any State, the attestation may be obtained by an officer not below the rank of a Deputy Secretary to the Government of the Union or the State as the case may be.

(5) If you are on an election duty, attestation may be obtained by any gazetted officer or by the Presiding Officer of the polling station in which you are on election duty.

(6) If you are under preventive detention, the attestation may be obtained by the Superintendent of the jail or the Commandant of the detention camp in which you are under detention.

In all the above cases you may take the declaration to the authorised officer and sign it in his presence after he has satisfied himself about your identity. The officer will attest your signature and return the declaration to you. You must not show your ballot paper to the attesting officer nor tell him how you have voted.

If you are unable to mark the ballot paper and sign the declaration yourself in the manner indicated above by reason of illiteracy, blindness or other infirmity, you are entitled to have your vote marked and declaration signed on your behalf by any of the authorised officer mentioned above. Such an officer will, at your request mark the ballot paper in your presence and in accordance with your wishes. He will also complete the necessary certificate in this behalf.

After your declaration has been signed and your signature has been attested, place the declaration in Form 13A as also the smaller cover marked 'A' containing the ballot paper in the larger cover marked 'B'. After closing the larger cover, send it to the returning officer by post or by messenger. You have to given your full signature in the space provided on the cover marked 'B'. No postage stamp need be affixed by

you, if the cover is posted in India. If, however, you are an elector employed under the Government of India in a post outside India, you should return the cover to the returning officer concerned direct by air mail service after the requisite postage stamp is duly affixed thereon by the office in which you are serving except where it is sent by diplomatic bag.

You must ensure that the cover reaches the returning officer before *.....

* on
Please note that :—

(i) if you fail to get your declaration attested or certified in the manner indicated above, your ballot paper will be rejected; and

(ii) if the cover reaches the returning officer after *
.....
on the *
your vote will not be counted.

* (Here specify the hour and date fixed for the commencement of counting of votes).

Form 13D

Instructions for the guidance of electors

[see rule 23(1) (d)]

(To be used at an election to the Council of States or to the Legislative Council of a State)

Election to the Council of States
..... Legislative Council

The persons whose names are printed on the ballot paper sent herewith are candidates at the above election. Record your vote by placing the figure 1 in the space opposite the name of the candidate to whom you want to vote. Place the figure 1 opposite the name of one candidate only * (although there are more members than one to be elected). You may indicate your relative preference for the other candidates by placing in the spaces opposite their names the figures 2, 3, 4 etc. in order of such preference. Do not place more than one figure opposite the name of any candidate and do not place the same figure opposite the names of more candidates than one.

The number of members to be elected is.....

After you have recorded your vote on the ballot paper, place the ballot paper in the smaller cover marked 'A' sent herewith. Close the cover and secure it by seal or otherwise.

You have then to sign the declaration in Form 13A also sent herewith in the presence of an officer competent to attest your signature. If you are under preventive detention the attestation of your signature on the declaration in Form 13A shall be obtained by the Superintendent of the jail or the Commandant of the detention camp in which you are under such detention. If you are not under preventive detention, the attestation may be obtained by a stipendiary magistrate to whom you are personally known or to whose satisfaction you have been identified, or in the case of an election to a Council Constituency by any of the following categories of officers who have been notified in this behalf by the Election Commission, namely :—

Take the declaration to any such officer and sign it in his presence after he has been satisfied about your identity. The officer will attest your signature and return the declaration to you. You must not show your ballot paper to the attesting officer nor tell him how you have voted.

If you are unable to mark the ballot paper and sign the declaration yourself in the manner indicated above by reason of illiteracy blindness or other infirmity, you are entitled to have your vote marked and the declaration signed on your behalf by an officer competent to attest your signature. Such an officer will, at your request, mark the ballot

*To be deleted when only one member is to be elected.

paper in your presence and in accordance with your wishes. He will also complete the necessary certificate in this behalf.

After the declaration has been signed and your signature has been attested, place the declaration in Form 13A as also the smaller cover marked 'A' containing the ballot paper in the larger cover marked 'B'. After closing the larger cover, send it to the Returning Officer by registered post or by messenger.

You must ensure that the cover reaches the returning officer before *..... on the.....*.

Please note that—

(i) if you fail to get your declaration attested or certified in the manner indicated above your ballot paper will be rejected; and

(ii) if the cover reaches the returning officer after*.... on the.....*your vote will not be counted.

Any ballot paper on which the figure 1 is not marked or on which the figure 1 is set opposite the name of more than one candidate, or is so placed as to render it doubtful to which candidate it is intended to apply, or on which the figure 1 and some other figures are set opposite the name of the same candidate or on which the same figure is set opposite the name of more candidates than one, or on which the signature of the elector is not duly attested or the number of which does not agree with the number of the ballot paper entered on the cover in which it is placed, will be rejected.”;

(11) in Form 22, after words “Shri..... of.....”, the following words and brackets shall be inserted, namely “Sponsored by..... (name of the recognised/registered political party)”;

(12) in Form 23B, after the brackets and word “(Address)” at both the places where they occur, the following words and brackets shall be inserted,

*Here specify the hour and date fixed for the commencement of counting of votes.

namely “Sponsored by.....(name of the recognised/registered political party)”;

(13) in Form 24, after the word “Shri.....”, the following words and brackets shall be inserted, namely :—

“Sponsored by..... (name of the recognised/registered political party)”;

[F. 7(1)/84-Leg. II]

K. SUBRAMANIAN, Jt. Secy.

Note.—The principal rules were published vide S.O. 859 dated 15th April, 1961 and subsequently amended by :—

S.O. No.	Date
597	27-2-1962
2912	21-8-1954
3662	12-10-1964
3450	9-11-1966
3875	15-12-1966
1542	25-4-1967
1433	19-4-1968
1520	25-4-1968
4542	20-12-1968
2362	3-7-1970
479A	27-1-1971
5573	23-12-1971
505(E)	18-9-1973
286(E)	8-5-1974
229(E)	26-5-1975
795(E)	14-12-1976
518(E)	7-9-1979
767(E)	29-11-1979
846(E)	17-12-1979
565(E)	4-8-1984
671(E)	5-9-1984
340(E)	4-6-1986